Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

अगस्त 2023

(संग्रह)

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

- स्ट्रेंथलिफ्टिंग में झारखंड ने 11 गोल्ड समेत 18 पदक हासिल किये 3
- झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) विधेयक 2023 3
- मुनाफा देने के मामले में देवघर एयरपोर्ट देश में 7वें स्थान पर 4
- धनबाद IIT-ISM की इलेक्ट्रिक रेसिंग कार को मिला तीसरा स्थान 5
- सुब्रतो कप फुटबॉल : तीनों वर्गों में गुमला ने जीता खिताब 6
- झारखंड विधानसभा में दो नए और दो संशोधन विधेयक पारित 7
- बोकारो में दिवंगत जगरनाथ महतो के नाम से खुलेगा मेडिकल कॉलेज 7
- झारखंड के पाँच ज़िलों में शुरू की गई एंबुलेंस सेवा 8
- नेशनल गतका प्रतियोगिता में पलामू के खिलाड़ियों ने जीते 11 मेडल 9
- वन भूमि के गैर-वन संबंधी इस्तेमाल में झारखंड छठे स्थान पर 10
- झारखंड स्टेट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी फॉर कैटल एंड बफैलो डेवलपमेंट, रांची और ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के बीच हुआ समझौता 11
- मुख्यमंत्री ने की 'अबुआ आवास योजना' की घोषणा 12
- स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राज्य के 44 पुलिसकर्मियों को मिला राष्ट्रपति पुलिस पदक व सेवा पदक 13
- टूरिस्ट कॉरिडोर से जुड़ेंगे गेतलसूद डैम व जोन्हा-हुंडरू फॉल 14
- दुमका के जरमुंडी में जल्द खुलेगा प्रदेश का दूसरा सैनिक स्कूल 15
- डीएसपीमयू में बनेगा झारखंड राज्य का पहला सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट सेंटर एंड रिसर्च 16
- देश में पहली बार वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस का आयोजन, झारखंड को मिली मेज़बानी 17
- झारखंड सरकार ने पीवीटीजी छात्रों को दी बड़ी सौगात 18
- चंद्रयान-3 : मेकॉन के 50 इंजीनियर्स की टीम ने इसरो के लिये डिज़ाइन किया था लांचिंग पैड 20
- जमशेदपुर में देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन उद्योग की स्थापना के लिये एमओयू 21
- झारखंड गौरव सम्मान 22
- झारखंड के सभी प्रखंडों में लगेगा स्वास्थ्य मेला 24
- उत्कृष्ट मुखिया को सम्मानित करेगा झारखंड राज्य खाद्य आयोग 25
- ब्रेन डेथ की घोषणा करने वाला झारखंड का पहला अस्पताल बना रिम्स 25
- झारखंड में साहित्य, संगीत नाट्य और ललित कला एकेडमी का होगा गठन, नियमावली का प्रारूप तैयार 26

नोट :

The Vision

झारखंड

स्ट्रेंथलिफ्टिंग में झारखंड ने 11 गोल्ड समेत 18 पदक हासिल किये

चर्चा में क्यों ?

30 जुलाई,2023 को उदयपुर (राजस्थान) में आयोजित 33वीं नेशनल स्ट्रेंथलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चौथे दिन झारखंड ने 11 गोल्ड, 6 सिल्वर व 1 ब्रांज सहित कुल 18 पदक जीते।

प्रमुख बिंदु

- इस चैंपियनशिप में शुभम कुमार साहू को जूनियर वर्ग मे चैंपियन ऑफ चैंपियन का खिताब मिला । वहीं 95 किग्रा जूनियर वर्ग में आयुष कुमार ने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- इस चैंपियनशिप में स्नेहा कुमारी ने दो स्वर्ण, सोनिया ने दो स्वर्ण, आयूष ने दो स्वर्ण, नील अमृत ने दो स्वर्ण, शुभम ने दो स्वर्ण और उस्मान ने एक स्वर्ण जीता; वहीं हीमा ने दो रजत, जबकि पूजा, सरस्वती, मोहम्मद उस्मान और हमीद ने एक-एक रजत हासिल किया तथा आरती को एक कांस्य पदक प्राप्त हुआ।
- वहीं झारखंड के सचिव अशोक कुमार गुप्ता को 'नेशनल रेफरी'से सम्मानित किया गया।
- उल्लेखनीय है कि इस चैंपियनशिप में देशभर के 22 राज्यों के लगभग 800 खिलाड़ियों ने भाग लिया है।
- यह चैंपियनशिप 27 जुलाई से 30 जुलाई, 2023 तक उदयपुर (राजस्थान) में आयोजित की गई।

झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) विधेयक 2023

चर्चा में क्यों ?

1 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने 'झारखंड प्रतियोगी परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम व निवारण के उपाय) विधेयक 2003' तैयार किया है, जिसे जल्द ही विधानसभा में पेश किया जाएगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस विधेयक का उद्देश्य परीक्षाओं में होने वाली चोरी को रोकना है। कानून बनने के बाद यह विधेयक पूरे राज्य में लागू होगा।
- राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, भर्ती समितियों द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं, राज्य सरकार के लोक उपक्रमों द्वारा आयोजित परीक्षा के अलावा निगम और निकायों द्वारा आयोजित की जाने वाली परीक्षा पर यह लागू होगा।
- इस विधेयक में परीक्षार्थियों के अलावा, परीक्षा की प्रक्रिया में शामिल होने वाली एजेंसियों, सरकारी कर्मचारियों द्वारा प्रश्न पत्र लीक करने या परीक्षा की गोपनीयता भंग करने वाली जानकारी को सार्वजनिक करने को दंडनीय अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया है।
- इसके अलावा परीक्षा ड्यूटी में शामिल कर्मचारियों, उनके पारिवारिक सदस्यों या रिश्तेदारों को धमकी देने और परीक्षा के संबंध में गलत सूचना प्रचारित करने व अफवाह फैलाने को भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है।
- दंड के संबंध में किये गए प्रावधान-
  - विधेयक में दंड के संबंध में किये गए प्रावधान के अनुसार, अगर कोई परीक्षार्थी नकल करते या कराते हुए पकड़ा जाता है तो उसे तीन साल की सजा होगी, साथ ही उस पर पांच लाख रुपए तक का दंड लगाया जा सकेगा। दंड की रकम नहीं चुकाने पर अतिरिक्त नौ महीने की सजा होगी।
  - परीक्षार्थी के दूसरी बार चोरी करते या कराते पकड़े जाने पर सात साल की सजा होगी और 10 लाख रुपए दंड लगेगा।
  - परीक्षार्थी के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दायर कर दो से पाँच साल तक परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। न्यायालय द्वारा सजा होने पर संबंधित परीक्षार्थी 10 साल तक प्रतियोगी परीक्षा में शामिल नहीं हो सकेगा।
  - परीक्षा की प्रक्रिया में शामिल किसी कंपनी या एजेंसी द्वारा परीक्षा की गोपनीयता भंग करने, प्रश्न पत्र लीक करनेवालों को कम से कम 10 साल और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा होगी। साथ ही एक करोड़ से लेकर दो करोड़ रुपए तक दंड लगेगा। दंड की रकम नहीं चुकाने पर अतिरिक्त तीन साल कारावास की सजा होगी।

मुनाफा देने के मामले में देवघर एयरपोर्ट देश में 7वें स्थान पर

चर्चा में क्यों ?

1 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा जारी मुनाफा कमाने वाले देश के शीर्ष-19 एयरपोर्ट की सूची में देवघर एयरपोर्ट देश में 7वें स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- विमान सेवा शुरू होने के मात्र एक साल बाद ही देवघर एयरपोर्ट ने कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। देवघर एयरपोर्ट में एक वर्ष के दौरान 28 करोड़ का मुनाफा हुआ। मुनाफे के मामले में देवघर एयरपोर्ट ने राँची, पटना, दुर्गापुर और दरभंगा एयरपोर्ट को भी पीछे छोड़ दिया है।
- विदित है कि लोकसभा में डीएमके के सांसद एसआर पार्थिबन की ओर से पूछे गए प्रश्न पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जनरल विजय कुमार सिंह द्वारा दिये गए जवाब में मुनाफा कमाने वाले देश के शीर्ष-19 एयरपोर्ट की सूची प्रस्तुत की गई।
- इस सूची में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा संचालित देवघर एयरपोर्ट सातवें स्थान पर है। पहले स्थान पर कोलकाता, दूसरे स्थान पर चेन्नई, तीसरे स्थान पर कालीकट, चौथे स्थान पर पुणे, पाँचवें स्थान पर गोवा, छठे स्थान पर त्रिची, आठवें स्थान पर श्रीनगर, नौवें स्थान पर जुहू और 10वें स्थान पर कोयंबटूर एयरपोर्ट है।
- मुनाफा देने के मामले में राँची, पटना, दुर्गापुर और दरभंगा एयरपोर्ट का नाम दूर-दूर तक नहीं है। वहीं अगरतला, हैदराबाद, देहरादून, विजयवाड़ा, दिल्ली सफदरगंज, तिरुपति, भोपाल, वडोदरा, वाराणसी और इंफाल में स्थापित एयरपोर्ट नुकसान में हैं।
- गौरतलब है कि 12 जुलाई, 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवघर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। एक वर्ष के दौरान देवघर से कोलकाता, दिल्ली, रांची और पटना के लिये उड़ानें शुरू हो गई हैं। 70,000 से अधिक यात्रियों ने अलग-अलग जगहों के लिये देवघर से यात्रा की है, जबकि देवघर में अभी नाइट लैंडिंग की भी सुविधा नहीं हो पाई है, बावजूद बड़ी संख्या में यात्रियों के आवागमन से कई एयरलाइंस कंपनियों का झुकाव अब देवघर एयरपोर्ट की ओर होने लगा है।

नोट :

- देवघर एयरपोर्ट से आने वाले समय में मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद के लिये भी उड़ानें शुरू करने की तैयारी एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा की जा रही है। देवघर एयरपोर्ट से देवघर सहित भागलपुर, दुमका, साहिबगंज, पाकुड़, गोड्डा, जामताड़ा, गिरिडीह, कोडरमा, जमुई और बांका से यात्रियों का आवागमन हो रहा है।

धनबाद IIT-ISM की इलेक्ट्रिक रेसिंग कार को मिला तीसरा स्थान

चर्चा में क्यों?

2 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार धनबाद स्थित आईआईटी-आईएसएम की टीम मेचिस्मू द्वारा तैयार इलेक्ट्रिक रेसिंग कार ने बंगलूरू में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता पीआई-ईवी 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल श्रेणी में तीसरा स्थान हासिल किया है।

प्रमुख बिंदु

- कार ने फेल्योर मोड एंड इफेक्ट एनालिसिस की श्रेणी में भी बेस्ट रिपोर्ट का पुरस्कार जीता है। साथ ही, टीम ने मार्केटिंग और इंजीनियरिंग डिज़ाइन की श्रेणी में भी तीसरा स्थान हासिल किया है।
- इस प्रतियोगिता में पहले स्थान पर इंडोनेशिया का इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सेपुलुह और दूसरे स्थान पर राजाराम बापू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की टीम रही।
- यह प्रतियोगिता जुलाई के अंतिम सप्ताह में हुई थी। परिणाम की घोषणा 29 जुलाई को की गई।
- गौरतलब है कि आईआईटी धनबाद की टीम मेचिस्मू ने अपने दूसरे प्रयास में यह सफलता हासिल की है। इससे पहले इलेक्ट्रिक व्हीकल की श्रेणी में टीम ने पहली बार 2022 में हिस्सा लिया था।
- टीम के वाइस कैप्टन व टीम के टेक को-ऑर्डिनेटर हेरंभ दक्षिणमूर्ति के अनुसार मेचिस्मू रेसिंग कार 2008 से बना रही है। इससे पहले कंबस्टन इंजन श्रेणी में हिस्सा लेती थी। वर्ष 2022 में इलेक्ट्रिकल व्हीकल श्रेणी में हिस्सा लेना शुरू किया।

नोट :

सुब्रतो कप फुटबॉल : तीनों वर्गों में गुमला ने जीता खिताब

चर्चा में क्यों ?

2 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार गुमला ने स्कूली शिक्षा साक्षरता विभाग के तत्वावधान में आयोजित प्रमंडल स्तरीय 62वीं सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता के तीनों वर्गों का खिताब जीत लिया है।

प्रमुख बिंदु

- बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए बालक अंडर-14 वर्ग के फाइनल में संत इग्नासियुस हाईस्कूल गुमला ने बेथनी कॉन्वेंट मालमंद्री रांची को टाइब्रेकर में 11-10 से हराया।
- बालिका अंडर-17 के फाइनल में संत पीयूष उच्च विद्यालय रामपुर, गुमला ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय टांगर, सिमडेगा को 1-0 से हरा कर खिताब जीता।
- वहीं, अंडर-17 बालक वर्ग में संत इग्नासियुस हाईस्कूल गुमला ने रमेश सिंह मुंडा हाईस्कूल बुंडू राँची पर 1-0 से जीत दर्ज की।
- तीनों विजेता टीमें अब 7 से 9 अगस्त तक होटवार स्थित खेलगाँव में होने वाली राज्यस्तरीय 62वीं प्री-सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 2023-24 में दक्षिणी छोटानागपुर का प्रतिनिधित्व करेंगी।

नोट :

झारखंड विधानसभा में दो नए और दो संशोधन विधेयक पारित

चर्चा में क्यों ?

2 अगस्त, 2023 को झारखंड विधानसभा में 'कारखाना (झारखंड) संशोधन विधेयक, 2023' सहित दो नए और दो संशोधन विधेयक पारित हो गए।

प्रमुख बिंदु

- 'कारखाना (झारखंड) संशोधन विधेयक, 2023' में प्रावधान किया गया है कि अब महिलाएँ किसी फैक्टरी में शाम 7:00 बजे से सुबह के 6:00 बजे तक काम कर सकेंगी। पहले रात 12:00 बजे से सुबह 6:00 बजे तक काम नहीं करने का प्रावधान था।
    - मंत्री सत्यानंद भोक्ता ने कहा कि सरकार महिलाओं को समान अधिकार देना चाहती है। नए संशोधन से अब महिलाएँ तीनों शिफ्ट में काम कर सकेंगी। भाजपा के वॉकआउट के बीच यह विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया।
- सदन में 'आरोग्यम इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी विधेयक, 2023' और 'सीवी रमण ग्लोबल यूनिवर्सिटी विधेयक-2023' भी पारित हुए।
- इनके अलावा 'अधिवक्ता कल्याण निधि संशोधन विधेयक, 2023' को भी सदन ने मंज़ूरी दे दी। इसमें स्टांप शुल्क से कल्याण कोष में जाने वाली राशि को 15 रुपए से बढ़ाकर 30 रुपए करने का प्रावधान है। प्रभारी मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि इस मद में लोग स्वेच्छा से पैसा देते हैं।

बोकारो में दिवंगत जगरनाथ महतो के नाम से खुलेगा मेडिकल कॉलेज

चर्चा में क्यों ?

7 अगस्त, 2023 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के चंद्रपुरा में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि बोकारो में डुमरी के दिवंगत विधायक एवं प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के नाम पर जल्द ही मेडिकल कॉलेज खुलेगा।

प्रमुख बिंदु

- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने डुमरी विधानसभा क्षेत्र में डिग्री कॉलेज, आवासीय विद्यालय, आवासीय बालिका विद्यालय और आईटीआई कॉलेज के अलावा नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज़ पर एक विद्यालय का निर्माण कराए जाने की भी घोषणा की।
- गौरतलब है कि इसी वर्ष प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो का 6 अप्रैल को चेन्नई में इलाज के दौरान निधन हो गया था। कोरोना के समय जगरनाथ महतो भी वायरस की चपेट में आए थे और उनका लंग्स ट्रांसप्लांट हुआ था।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पंचायत स्तर पर दवा दुकान खुलेगी। इसके बाद गाँव स्तर पर भी दुकानें खुलेंगी।

नोट :

झारखंड के पाँच ज़िलों में शुरू की गई एंबुलेंस सेवा

चर्चा में क्यों ?

8 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत झारखंड में डॉयल 108 आपातकालीन सेवा के तहत एंबुलेंस की तैनाती के आदेश दिये गए हैं, जिसके अंतर्गत 5 ज़िलों का चयन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्य में एंबुलेंस की तैनाती के पहले चरण में धनबाद, हज़ारीबाग, खूंटी, लोहरदगा एवं रामगढ़ ज़िलों के 69 बेस लोकेशन पर एंबुलेंस का ठहराव सुनिश्चित करते हुए उनके नियमित संचालन की मंज़ूरी दी गई है।
- एनएचएम परिसर में खड़ी सभी 206 नई एंबुलेंस को धीरे-धीरे तय जगहों पर तैनात किया जा रहा है।
- दूसरे चरण में राँची, गिरिडीह, दुमका, पलामू, पूर्वी सिंहभूम और पाकुड़ ज़िलों में एंबुलेंस सेवा शुरू की जाएगी, इसके लिये चालकों और पैरा इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन की भर्ती की जा रही है।
- विदित है कि पुरानी कंपनी मेसर्स जिकित्जा हेल्थ केयर लिमिटेड की जगह पर अब सिकंदराबाद की नई कंपनी जीबीके इमरजेंसी मैनेजमेंट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज) इसकी ज़िम्मेदारी संभालेगी।
- पुरानी कंपनी जिकित्जा को 18 अगस्त की रात बारह बजे तक संबंधित कंपनी को हैंडओवर करने को कहा गया।
- ज्ञातव्य है कि झारखंड में 14 नवंबर, 2017 से नि:शुल्क 108 एंबुलेंस सेवा चलाई जा रही है। एमओयू के तहत 14 नवंबर, 2022 को कंपनी का सरकार के साथ एग्रीमेंट समाप्त हो गया था।
- एंबुलेंस सर्विस का लाभ घायलों, सामान्य मरीज़ों व प्रसूताओं को इमरजेंसी सेवा के तहत मिलेगा।
- राज्य में कहाँ कितनी एंबुलेंस शुरू होंगी ?
  - धनबाद 27
  - हज़ारीबाग 19
  - रामगढ़ 10
  - लोहरदगा 6
  - खूंटी 6
- संबंधित ज़िलों में किसी हादसे में घायल को इलाज के लिये अस्पताल पहुँचाना हो, परिवार में किसी बीमार व्यक्ति या बुजुर्गों को घर से स्वास्थ्य जाँच करवाने के लिये अस्पताल ले जाना हो या फिर गर्भवती महिला को डिलिवरी के लिये, लोगों को 108 नंबर पर कॉल करने पर केस के अनुसार तुरंत सेवा उपलब्ध होगी। सभी एंबुलेंस की सेवा 24 घंटे उपलब्ध कराई जा रही है।
- ये सुविधाएँ होंगी:
  - 51 वेंटिलेटर सपोर्टेड एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस)
  - 131 ऑक्सीजन युक्त बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस)
  - 24 चाइल्ड केयर सपोर्टेड नियो नेटल लाइफ (एएलएस नियो नेटल) सपोर्ट एंबुलेंस

नोट :

नेशनल गतका प्रतियोगिता में पलामू के खिलाड़ियों ने जीते 11 मेडल

चर्चा में क्यों ?

4 अगस्त-6 अगस्त, 2023 तक असम के गुवाहाटी के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में नेशनल गतका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड के पलामू ज़िले के खिलाड़ियों ने कुल 11 पदक अपने नाम करते हुए ज़िले का नाम रोशन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड से कुल 110 गतका खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इनमें सबसे कम पलामू से और सबसे अधिक धनबाद से खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- धनबाद से 72 तो पलामू से 13 खिलाड़ी झारखंड टीम का हिस्सा बने, वहीं बोकारो से 25 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।
- पलामू की अनामिका मेहता ने अंडर 11 आयु वर्ग में खेलते हुए सिंगल सोटी इवेंट्स में गोल्ड मेडल जीतकर स्वर्णिम शुरुआत की, जो टीम इवेंट में भी बरकरार रही। अनामिका ने झारखंड को कुल दो स्वर्ण पदक दिलाए।
- साथ ही, काजल कुमारी ने भी अंडर 17 में फैरी सोटी इवेंट खेलते हुए झारखंड के लिये गोल्ड मेडल जीता।
- इनके अलावा ऋतिक राज तिवारी ने अंडर 11 खेलते हुए फैरी सोटी में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। अग्रिया प्रियदर्शनी ने भी टीम फैरी सोटी में गोल्ड मेडल जीता।
- रिशु राज दांगी, शुभम सिंह और आर्यन पांडेय ने अंडर 11 में टीम फैरी सोटी में सिल्वर मेडल जीता, तो वहीं सात्विक पांडे ने अंडर 17 में सिंगल डेमो करते हुए ब्राउंज मेडल जीता। साथ ही, रोशन कुमार ने भी अंडर 25 में टीम में ब्राउंज मेडल जीता।
- पलामू गतका एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित बर्मन ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देश के 29 राज्यों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।
- इनमें से बेहतर प्रदर्शन करने वाले पाँच खिलाड़ियों का चयन खेलो इंडिया और इंडियन ओलंपिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित 37वें नेशनल गेम के लिये किया जाएगा।
- विदित है कि गतका खेल देश के पारंपरिक खेलों में से एक है, फिलहाल यह नए नियम और स्वरूप के साथ देश में खेली जाने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिता का हिस्सा बन रहा है।

वन भूमि के गैर-वन संबंधी इस्तेमाल में झारखंड छठे स्थान पर

चर्चा में क्यों?

9 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार भारत सरकार की ओर से जारी आँकड़ों के मुताबिक वन भूमि का गैर- वन संबंधी कार्यों में उपयोग करनेवाले शीर्ष छह राज्यों में झारखंड छठे स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- विदित है कि पूरे देश में 15 वर्षों में करीब तीन लाख हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग गैर-वन कार्यों (फॉरेस्ट डायवर्ट) के लिये किया गया। इसमें करीब पाँच फीसदी वन भूमि झारखंड की है।
- वहीं, झारखंड में मौजूद कुल वन क्षेत्र के हिसाब से बीते 15 वर्षों में करीब 16 हज़ार हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग गैर-वन कार्यों के लिये किया गया।
- भारत सरकार की ओर से जारी आँकड़ों के मुताबिक, देश में सबसे अधिक वन भूमि डायवर्ट करनेवाले राज्यों में सबसे ऊपर पंजाब है। यहाँ करीब 61,318 हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग गैर-वन कार्यों के लिये किया गया है। मध्य प्रदेश दूसरे और ओडिशा तीसरे स्थान पर है।
- झारखंड में 2008-09 से 2012-13 तक राज्य में सबसे अधिक वन भूमि को डायवर्ट किया गया। इस दौरान करीब 9,444 हेक्टेयर वन भूमि डायवर्ट की गई। बाद के शासन काल में वन भूमि डायवर्ट करने की गति धीमी रही।
- 2018-19 में करीब 1,448 हेक्टेयर वन भूमि डायवर्ट की गई। अन्य वर्षों में 100 से लेकर 400 हेक्टेयर तक वन भूमि डायवर्ट की गई थी।
- 'फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड में करीब 23,611 वर्ग किमी. में वन क्षेत्र है। अति सघन वन क्षेत्र करीब दो वर्ग किमी. घटा है। सघन वन क्षेत्र दो वर्ग किमी. के आसपास बढ़ा है। करीब 110 वर्ग किमी. अन्य वन क्षेत्र बढ़ा है।
- यहाँ कुल भौगोलिक स्थिति का करीब 29 फीसदी भाग में वन भूमि है। हर साल यहाँ वन भूमि बढ़ रही है।
- झारखंड के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणि) लाल रत्नाकर सिंह ने बताया कि झारखंड खनिज के मामले में संपन्न राज्य है। ज़्यादातर खनिज वन भूमि में होता है। इसके खनन के लिये वन भूमि का डायवर्सन ज़रूरी है। यह विकास की ज़रूरत है।
- परंतु यह ध्यान रखना चाहिये कि जितनी वन भूमि डायवर्ट हो रही है, उससे अधिक पौधे लगाए जाएँ। सघन वन को बचाया जाए, जहाँ भी खनन का काम हो रहा है, उसको वन लगाकर विकसित किया जाए।

नोट :

झारखंड स्टेट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी फॉर कैटल एंड बफैलो डेवलपमेंट, रांची और ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के बीच हुआ समझौता

चर्चा में क्यों ?

10 अगस्त, 2023 को झारखंड की राजधानी राँची के नेपाल हाउस स्थित कृषि मंत्री बादल पत्रलेख की मौजूदगी में पशु चिकित्सा की बेहतरी के लिये झारखंड स्टेट इंप्लीमेंटिंग एजेंसी फॉर कैटल एंड बफैलो डेवलपमेंट, राँची और ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के बीच समझौता हुआ।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर कृषि मंत्री ने कहा है कि सरकार की संवेदनशीलता राज्य की जनता के साथ-साथ यहाँ के पशुओं के लिये भी है। इसी के तहत पहले गौ मुक्तिधाम, फिर रेस्क्यू व्हिकिल का कार्य किया गया। इसी क्रम में पशु चिकित्सा की बेहतरी के लिये राज्य के सभी प्रखंड मुख्यालय में मोबाइल वेटनरी का संचालन करने की तैयारी की जा रही है।

समझौते के प्रमुख बिंदु :

  - राज्य में जल्द शुरू होगी मोबाइल वेटनरी
  - पशु चिकित्सा के लिये सरकार संवेदनशील
  - प्रखंड स्तर पर ग्रामीणों के पशुओं के लिये 236 एंबुलेंस रहेंगे तैनात
  - मोबाइल वेटनरी के लिये जल्द जारी होगा हेल्पलाईन नंबर
- कृषि मंत्री ने कहा कि इस कार्य के लिये EMRI ग्रीन हेल्थ सर्विसेज का चयन किया गया है। यह एजेंसी देश के अन्य राज्यों में भी इस तरह का कार्य करती आ रही है। इनके सहयोग से राज्य सरकार राज्य के पशुधन की सेहत की बेहतरी के लिये कार्य कर सकेगी।
- विभाग द्वारा आधुनिक सुविधाओं से लैस 236 एंबुलेंस खरीदे जा रहे हैं, जो ग्रामीणों के पालतू पशुओं की चिकित्सा संबंधी समस्या के समाधान के लिये उपलब्ध रहेंगे।
- मोबाइल वेटनरी के लिये सरकार जल्द ही एक हेल्पलाईन नंबर जारी करेगी।

- EMRI ग्रीन हेल्थ सर्विसेज द्वारा इस योजना के तहत पशु शल्य चिकित्सक, पैरावेट, ड्राइवर सहित आधुनिक सुविधाओं से लैस 236 एंबुलेंस कार्यरत रहेंगे। इससे राज्य के किसानों और उनके पशुओं को तो लाभ मिलेगा ही, साथ ही साथ पशु शल्य चिकित्सक, पैरावेट, ड्राइवर की नियुक्ति से रोज़गार के भी अवसर मिलेंगे।
- इस अवसर पर कृषि एवं पशुपालन विभाग के सचिव अबू बक्कर सिद्दीख ने बताया कि EMRI ग्रीन हेल्थ सर्विसेज के साथ एंबुलेंस एक्सटेंशन सर्विस के लिये एमओयू किया गया है। इनके द्वारा पशु चिकित्सा किसानों के घर पर पहुँचकर की जाएगी।
- साथ ही, जो टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा, उस पर कॉल आने के आधे घंटे के अंदर एंबुलेंस किसानों के घरों पर जाकर पशुओं का इलाज करेगी। इस कार्य के लिये सेंट्रलाइज्ड कॉल सेंटर बने होंगे। इसके अलावा प्रत्येक प्रखंड में एक एंबुलेंस उपलब्ध रहेगी।

मुख्यमंत्री ने की 'अबुआ आवास योजना' की घोषणा

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मोरहाबादी मैदान के राजकीय समारोह में राज्य के ज़रूरतमंद लोगों के लिये एक नई योजना 'अबुआ आवास योजना' की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना के तहत अगले दो वर्ष में लगभग 15 हज़ार करोड़ रुपए से ज़्यादा खर्च कर राज्य सरकार अपनी निधि से ज़रूरतमंद लोगों को आवास उपलब्ध कराएगी।
- योजना के तहत गरीबों, वंचितों, मज़दूरों, किसानों, आदिवासियों, पिछड़ों और दलितों को 3 कमरे के आवास उपलब्ध करवाएँ जाएंगे।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि युवाओं के कौशल विकास के लिये राज्य के 80 मंडलों में 'मुख्यमंत्री सारथी योजना' शुरू की गई है। 'मुख्यमंत्री रोज़गार सृजन योजना' के प्रावधानों में छूट दी गई है।
- उन्होंने बताया कि 35 लाख लाभार्थियों को विभिन्न मदों में पेंशन दी जा रही है और जुलाई 2023 तक पेंशन देने पर 1,400 करोड़ रुपए खर्च किये गए हैं।
- उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में 33 लाख छात्रों को पूर्व मैट्रिक छात्रवृत्तियाँ दी गई हैं, जिस पर 724 करोड़ रुपए खर्च किये गए, जबकि 2.50 लाख छात्रों को मैट्रिक के बाद की छात्रवृत्तियाँ दी गई हैं, जिस पर 315 करोड़ रुपए खर्च किये गए हैं। सरकार छात्रों के लिये आधुनिक बहुमंज़िला छात्रावास भी बना रही है, जो आधुनिक पुस्तकालयों से सुसज्जित होंगे।

- किसानों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के लाभ के लिये कुल 88 योजनाएँ चला रही है, जिसमें 'बिरसा सिंचाई कूप योजना' भी शामिल है। इसके तहत 15 नवंबर, 2024 तक एक लाख कुएँ खोदे जाएंगे।
- इसके अलावा, 'सोन-कनहर पाइपलाइन योजना' पर भी काम चल रहा है और गढ़वा और दुमका ज़िलों में पानी और सिंचाई के मुद्दों के समाधान के लिये 'मसालिया रानेश्वर मेगा लिफ्ट योजना' चलाई जा रही है।
- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड सरकार 2024 तक जल जीवन मिशन के तहत 61 लाख ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिये प्रतिबद्ध है।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राज्य के 44 पुलिसकर्मियों को मिला राष्ट्रपति पुलिस पदक व सेवा पदक

चर्चा में क्यों?

15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजधानी राँची के मोरहाबादी में आयोजित समारोह में राज्य के 44 पुलिस अधिकारी व कर्मियों को वीरता के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक व सेवा पदक प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- इन 44 पुलिस अधिकारियों को वीरता, विशिष्ट सेवा और सराहनीय सेवा के लिये राष्ट्रपति पदक दिया गया है।
- ये सभी पदक पहले गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर राष्ट्रपति द्वारा दिये जाते थे, जिनका अब वितरण किया गया है।
- जिन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक मिला है :
  - वर्ष 2021 के लिये मनीष चंद्र लाल (एसडीपीओ गुमला), सुरेश राम (इंस्पेक्टर, एसीबी), रोहित कुमार रजक (कॉन्स्टेबल, हज़ारीबाग), हीरालाल ठाकुर (कॉन्स्टेबल, हज़ारीबाग), अनिरुद्ध कुमार ओझा (कॉन्स्टेबल, हज़ारीबाग) और यशवंत महतो (कॉन्स्टेबल, हज़ारीबाग) शामिल हैं।
  - वर्ष 2022 के लिये ऋषभ कुमार झा (वर्तमान में एसपी रेल जमशेदपुर, तत्कालीन एसडीपीओ तोरपा) और सीआरपीएफ के डिप्टी कमांडेंट अनुराग राज (तत्कालीन एएसपी अभियान, खूंटी) शामिल हैं।
- विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक :
  - पारस नाथ ओझा (एटीएस, राँची)
- सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक :
  - वर्ष 2021 के लिये साकेत कुमार सिंह (तत्कालीन आईजी अभियान झारखंड पुलिस, वर्तमान में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर), कैलाश प्रसाद (कॉन्स्टेबल, आईआरबी-5 गुमला), चालक कॉन्स्टेबल सत्येन्द्र नाथ (एसटीएफ, राँची), कॉन्स्टेबल रामजन्म प्रसाद (जेएपीटीसी, पदमा) शामिल हैं।

- इनके अलावा हवलदार तिल प्रसाद जायसी (जैप-1, राँची), एएसआई मनोज कुमार दास (बोकारो), एएसआई सुनील कुमार राय (लातेहार), हवलदार नंदजी यादव (एसटीएफ, राँची), डीएसपी संचामन तमांग (विशेष शाखा), इंस्पेक्टर इम्तियाज अहसन (एसीबी राँची) शामिल हैं।

टूरिस्ट कॉरिडोर से जुड़ेंगे गेतलसूद डैम व जोन्हा-हुंडरू फॉल

चर्चा में क्यों?

20 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार राजधानी राँची में स्थित गेतलसूद डैम क्षेत्र को पतरातू की तरह विकसित करने की कार्ययोजना पर राज्य सरकार काम कर रही है। सरकार ने गेतलसूद डैम, हुंडरू फॉल व जोन्हा फॉल को टूरिस्ट कॉरिडोर से जोड़ने की योजना बनाई है।

प्रमुख बिंदु

- इन पर्यटन स्थलों को सरकार ने राजकीय महत्त्व का दर्जा दिया है। गेतलसूद डैम क्षेत्र में रिसॉर्ट, नाव शेड, नाव लैंडिंग की सुविधा, कैंपिंग ग्राउंड, कारवां पार्क, होली डे केबिन, होटल, हाउस बोट, मरीना, मोटल, खेल का मैदान, जलपान कक्ष, दुकान का निर्माण किया जाएगा। जेटीडीसी के अधीन इसकी देखरेख की जाएगी।
- जोन्हा, हुंडरू फॉल व गेतलसूद डैम को विकसित कर पर्यटकों को आकर्षित किया जाएगा। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये सरकार प्लानिंग करा रही है। इस पर पाँच साल में करोड़ों रुपए खर्च करने की योजना है। योजना के तहत यहाँ पहुँचने के लिये सड़क मार्ग को सुदृढ़ किया जाएगा।
- सिल्ली विधायक सुदेश ने बताया कि कॉरिडोर निर्माण से क्षेत्र में रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे, साथ ही क्षेत्र का विकास भी होगा।
- पर्यटन विभाग जोन्हा, हुंडरू और दशम फॉल में रोप-वे लगाने की संभावना तलाश रहा है। इसके लिये पर्यटन विभाग ने राइट्स के साथ एमओयू किया है। इन स्थानों पर रोप-वे के तकनीकी और पर्यावरणीय पहलुओं का सटीक मूल्यांकन कराने का निर्णय हुआ है। इसके लिये परियोजना में व्यवहार्यता अध्ययन को सुनिश्चित किया जाएगा।

दुमका के जरमुंडी में जल्द खुलेगा प्रदेश का दूसरा सैनिक स्कूल

चर्चा में क्यों ?

21 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार दुमका के जरमुंडी में जल्द ही राज्य का दूसरा सैनिक स्कूल खुलेगा। इसके लिये सरकार ने ज़मीन पहले ही चिह्नित कर दी है।

प्रमुख बिंदु

- दुमका ज़िले के अपर समाहर्ता राजीव कुमार ने बताया कि सैनिक स्कूल के लिये जरमुंडी प्रखंड के विशुनपुर में 50 एकड़ ज़मीन को चयनित किया गया है। जल्द ही केंद्रीय टीम इसको लेकर जरमुंडी प्रखंड के विशुनपुर मौजा का दौरा कर सकती है।
- विदित है कि दुमका के जरमुंडी में खुलने वाला यह सैनिक स्कूल राज्य का दूसरा सैनिक स्कूल होगा। झारखंड में तिलैया में एक सैनिक स्कूल पहले से है।

- सैनिक स्कूल रक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित होता है और पूर्णत: आवासीय होता है। सीबीएसई पाठ्यक्रम में यहाँ पढ़ाई होती है। देश के अधिकांश राज्यों में सैनिक स्कूल हैं।
- देशभर में अभी कुल 33 सैनिक स्कूल संचालित हैं। बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान ऐसे राज्य हैं, जहाँ दो-दो सैनिक स्कूल हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में तीन सैनिक स्कूल हैं।
- सैनिक स्कूल मूलरूप से देश की रक्षा सेवाओं में योग्य अधिकारी तैयार करने के ध्येय से स्थापित किये जाते हैं। यह स्कूल राष्ट्रीय डिफेंस एकेडमी और भारतीय नौसेना अकेडमी में अधिकारी वर्ग के पदों के लिये विद्यार्थियों को तैयार करते हैं।
- सेना में अनुशासन और दक्षता की बहुत आवश्यकता होती है। इसके लिये ऐसे बच्चों को तैयार करना होता है, जो बचपन से ही अनुशासित और तेज-तर्रार हों। इसके लिये कम आयु से ही बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से तैयार करना होता है। यह देश के सामान्य स्कूलों में इसलिये संभव नहीं है, क्योंकि वहाँ पर अच्छी आधारभूत संरचना और योग्य प्रशिक्षक नहीं होते हैं, जो सेना की आवश्यकताओं के अनुसार छोटे बच्चों को योग्य सैनिक अधिकारी बनने के लिये तैयार कर सकें।

डीएसपीमयू में बनेगा झारखंड राज्य का पहला सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट सेंटर एंड रिसर्च

चर्चा में क्यों?

21 अगस्त, 2023 को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य से मिली जानकारी के अनुसार डीएसपीएमयू के स्टूडेंट्स फैकल्टी और रिसर्च स्कॉलरों के लिये जल्द ही डीएसपीएमयू प्रबंधन सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट सेंटर एंड रिसर्च की स्थापना की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- यह झारखंड में पहला रिसर्च सेंटर होगा, जिसमें वर्ल्ड क्लास की सुविधाओं से युक्त लैब स्थापित की जाएगी।
- कुलपति प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने कहा कि रिसर्च के लिये सरकार के सहयोग से सेंटर बनाया जा रहा है।
- यहाँ छात्रों फैकल्टी को वैश्विक स्तर की सुविधाएँ दी जाएंगी। नेचुरल साइंस और लाइव साइंस के लिये अत्याधुनिक बिल्डिंग का निर्माण होगा। बिल्डिंग का आकार जी प्लस 4 होगा।

- जी प्लस 4 बिल्डिंग का कुल क्षेत्र 1.30 स्क्वॉयर फीट में होगा। मैसूर यूनिवर्सिटी में बने रिसर्च सेंटर की तर्ज पर डीएसपीएमयू में रिसर्च सेंटर तैयार होगा, सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट सेंटर एंड रिसर्च का हर फ्लोर 26 हज़ार स्क्वॉयर फीट का होगा।
- बिल्डिंग का निर्माण का प्रस्ताव बनाने से पहले से देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के रिसर्च सेंटरों के बारे में जानकारी ली गई थी, ताकि यहाँ के स्टूडेंट्स और फैकल्टी को वैश्विक डिमांड के अनुसार फैसिलिटी दी जा सके।
- सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट सेंटर एंड रिसर्च की बिल्डिंग में 20 लैब स्थापित किये जाएंगे। 10 लैब नेचुरल साइंस से संबंधित विषयों के छात्रों व रिसर्च स्कॉलरों के लिये होंगी। वहीं 10 लैब लाइव साइंस से संबंधित विषयों के छात्रों व रिसर्च स्कॉलरों के लिये होंगी।
- हर फैकल्टी और विभागाध्यक्ष के लिये विशेष सुविधाओं वाला कमरा होगा। प्रत्येक एचओडी के लिये एक कक्ष संबंधित विषय के शिक्षकों के लिये फैकल्टी कक्ष होगा। इसके अलावा प्रत्येक विभाग में गर्ल्स और ब्वॉयज के लिये अलग-अलग शौचालय होगा।
- सेंट्रल इंस्ट्रूमेंट सेंटर एंड रिसर्च बिल्डिंग में अत्याधुनिक ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा। इस ऑडिटोरियम में एक साथ 10 हज़ार स्टूडेंट्स, फैकल्टी एकसाथ बैठ सकेंगे। इसके अलावा लिफ्ट, अत्याधुनिक कॉरिडोर और रिकॉर्ड की भी सुविधा होगी।

देश में पहली बार वीमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस का आयोजन, झारखंड को मिली मेज़बानी

चर्चा में क्यों?

- 22 अगस्त, 2023 को झारखंड एशियन वीमेंस हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी 2023 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- हॉकी खिलाड़ियों की नर्सरी के तौर पर पहचान बना चुकी झारखंड की राजधानी राँची एशियन विमेन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी की मेज़बानी करने जा रही है। यह मैच देश में पहली बार हो रहें।
- राज्य के खेल मंत्री हाफिज अल हसन और हॉकी इंडिया के प्रेसिडेंट दिलीप तिर्की ने लोगो अनावरण के साथ तारीखों की घोषणा भी की है।
- इस टूर्नामेंट में कुल 21 मैच खेले जाएंगे। 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में प्रत्येक दिन 3 मैचो का आयोजन किया जाएगा। सभी मैच राँची के मोराबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम में खेले जाएंगे।
- इस चैंपियंस ट्रॉफी में भारत समेत एशिया की छह टॉप टीमें शामिल हो रही हैं। इसमें भारत के अलावा चीन, कोरिया, जापान, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें हैं।

- झारखंड सरकार की ओर से इस मैच के लिये कोई भी शुल्क नहीं रखा गया है, वहीं भारतीय हॉकी टीम की पूर्व कप्तान झारखंड की असुंता लकड़ा ने इस आयोजन को हॉकी के लिये माइलस्टोन बताया है

झारखंड सरकार ने पीवीटीजी छात्रों को दी बड़ी सौगात

चर्चा में क्यों?

हाल ही में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य के विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG) स्टूडेंट्स के लिये बड़ी पहल करते हुए राँची में डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण अनुसंधान संस्थान में पीवीटीजी छात्रों के लिये मुफ्त आवासीय कोचिंग का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- यह देश में अपनी तरह की पहली पहल है, जहाँ पीवीटीजी के उत्थान के लिये ऐसी योजना शुरू की गई है।
- राज्य की असुर, मालफरिया, सौर्य पहाड़िया, बिरजिया, कोरबा, बिरहोर और सबर सहित आठ जनजातियों के 400 से अधिक छात्रों ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) द्वारा आयोजित परीक्षाओं में तैयारी के लिये मुफ्त कोचिंग के लिये आवेदन किया था। मुफ्त कोचिंग के लिये 156 उम्मीदवारों को शॉर्टलिस्ट किया गया है।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की कुल 32 जनजातियों में से झारखंड की आठ जनजातियाँ विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTG) में सूचीबद्ध हैं।
- उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह, यानी पीवीटीजी विलुप्त होने की ओर बढ़ रहे हैं। ऐसे में उनकी रक्षा करना और रोज़गार के अवसर प्रदान करना सरकार की ज़िम्मेदारी है।

चंद्रयान-3 : मेकॉन के 50 इंजीनियर्स की टीम ने इसरो के लिये डिज़ाइन किया था लांचिंग पैड

चर्चा में क्यों ?

23 अगस्त, 2023 को भारत के मिशन चंद्रयान-3 की सफल सॉफ्ट लैंडिंग चाँद की सतह पर हो चुकी है. इसमें झारखंड की राजधानी राँची का बहुत बड़ा योगदान है, जिसकी दो संस्थाओं मेकॉन और एचईसी ने लांचिंग पैड को डिज़ाइन किया है।

प्रमुख बिंदु

- यह तीसरा मौका था, जब भारत की अंतरिक्ष एजेंसी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान का प्रक्षेपण किया है।
- चंद्रयान-3 के कई महत्त्वपूर्ण उपकरणों का निर्माण भी एचईसी में हुआ। इसरो के लिये सबसे बड़े लांचिंग पैड जीएसएलवी को मेकॉन ने तैयार किया। इसके उपकरण राँची और टाटा में भी बने हैं। मेकॉन ने इसके कॉन्सेप्ट से लेकर कमिशनिंग तक का काम किया।
- इस प्रोजेक्ट का हिस्सा रहे मेकॉन के इंजीनियर निशीथ कुमार ने बताया कि वर्ष 1999 में मेकॉन को इसरो के लिये रॉकेट प्रक्षेपण हेतु लांचिंग पैड बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला। यह पहला मौका था, जब भारत में रॉकेट को लॉन्च करने के लिये लांचिंग पैड का निर्माण हुआ। इसके पहले भारत के पास रॉकेट के प्रक्षेपण के लिये लांचिंग पैड बनाने का कोई अनुभव नहीं था।
- मेकॉन के पास पुराना कोई रेफरेंस भी नहीं था। इसरो ने अपनी जरूरतें बताईं और मेकॉन के एसआर मजूमदार के नेतृत्व में मेकॉन के 50 इंजीनियर्स की कोर टीम ने काम शुरू किया और इस प्रोजेक्ट को सफल बनाया।
- मेकॉन ने झारखंड की दो कंपनियों के अलावा देश के अलग-अलग हिस्से की कंपनियों से भी उपकरण बनवाये। कुछ चीजें विदेशों से भी मंगायी गईं।
- मेकॉन के इंजीनियर ने बताया कि देश की प्रतिष्ठित कंपनी टाटा ने जमशेदपुर की इकाई में कुछ उपकरणों का निर्माण किया था। राँची की एचईसी ने भी कई उपकरणों का निर्माण किया और असेंबलिंग का भी काम किया। चेन्नई की कंपनी केटीवी, मुंबई की कंपनी गोदरेज के अलावा भी कई कंपनियों ने लांचिंग पैड के लिये उपकरण बनाये थे। कुछ इक्विपमेंट्स रूस और यूरोप से भी मंगवाये गए थे।
- विदित है कि राँची स्थित हेवी इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन (एचइसी), जिसे मदर ऑफ ऑल इंडस्ट्रीज कहा जाता है, ने जीएसएलवी के लिये हॉरिजोंटल स्लाइडिंग डोर, फोल्डिंग कम वर्टिकल रिपोजिशनेबल प्लटफॉर्म (एफसीवीआरपी), मोबाइल लांचिंग पेडेस्टल और 10 टन का हैमर हेड टॉवर क्रेन बनाया है। 10 टन का हैमर हेड टॉवर क्रेन रॉकेट के बैलेंस को बनाये रखता है।
- इसरो अपने सभी बड़े रॉकेट का प्रक्षेपण इसी मोबाइल लांचिंग पेडेस्टल से करता है।

जमशेदपुर में देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन उद्योग की स्थापना के लिये एमओयू

चर्चा में क्यों?

24 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पहल पर राज्य के जमशेदपुर में देश की पहली हाइड्रोजन ईंधन से जुड़े उद्योग की स्थापना के लिये उद्योग विभाग और टीसीपीएल ग्रीन एनर्जी सॉल्यूशन प्रा.लि. (टीजीइएसपीएल) के बीच 354.28 करोड़ रुपए के निवेश से संबंधित एमओयू किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- ईंधन से जुड़े उद्योग की प्रस्तावित क्षमता 4000 प्लस हाइड्रोजन आइसी इंजन, फ्यूल एग्नोस्टिक इंजन व 10,000 प्लस बैटरी सिस्टम है।
- विदित है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 28 जुलाई को मेसर्स टाटा मोटर्स व मेसर्स कमिंस इंक, यूएसए के संयुक्त उपक्रम टीजीइएसपीएल द्वारा

जमशेदपुर में हाइड्रोजन इंटरनल कोंबुशटेशन इंजन, फ्लाइट एग्नोस्टिक इंजन, एडवांस कैमिस्ट्री बैटरी, एचटू फ्यूल सेल व एचटू फ्यूल डिलीवरी सिस्टम निर्माण ईकाई की स्थापना के लिये टीजीइएसपीएल व राज्य सरकार के उद्योग विभाग के बीच एमओयूकी स्वीकृति प्रदान की थी।

- इस कार्य में हाइड्रोजन इंजन बनाने की नवीनतम तकनीक का उपयोग किया जाएगा। हाइड्रोजन की क्षमता अन्य ईंधनों की अपेक्षा अधिक होती है। अन्य ईंधन से सस्ता व हल्का होने के अलावा हाइड्रोजन ईंधन का एनर्जी लेबल भी ज्यादा होता है।
- जमशेदपुर में बनने वाले हाइड्रोजन ईंधन के प्लांट से पूरे देश को लाभ होगा।

झारखंड गौरव सम्मान

चर्चा में क्यों?

26 अगस्त, 2023 को झारखंड के सबसे प्रतिष्ठित, विश्वसनीय व लोकप्रिय समाचार-पत्र 'प्रभात खबर'ने प्रदेश का मान बढ़ाने वाले 26 लोगों को 'झारखंड गौरव सम्मान' से नवाजा।

प्रमुख बिंदु

- राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और झारखंड विधानसभा के स्पीकर रबींद्र नाथ महतो ने इन्हें सम्मानित किया।
- 'झारखंड गौरव सम्मान' से सम्मानित व्यक्ति-
  - पर्यावरणविद् जगदीश महतो - 'ट्री मैन' के उपनाम से प्रसिद्ध बोकारो ज़िले के कसमार प्रखंड स्थित हिसीम निवासी वन आंदोलनकारी जगदीश महतो ने तमाम विपरीत परिस्थितियों में भी झारखंड के लगभग साढ़े चार सौ वनों का संरक्षण और संवर्धन किया है।
  - लेखक-कवि नीलोत्पल मृणाल - दुमका के नोनीहाट के रहने वाले नीलोत्पल को वर्ष 2016 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। लेखक, कवि, गायक, सामाजिक कार्यकर्त्ता और सोशल एक्टिविस्ट हैं। उनकी किताबों में डार्क हॉर्स, औघड़ और यार जादूगर बेस्ट सेलर में शुमार रहीं हैं।

- निरंजन प्रसाद सिंह (बाबू) - राजनीति में सुचिता की मिसाल रहे निरंजन बाबू 1967 में पहली बार जनसंघ पार्टी से चांपारण विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने। उस वक्त उनकी उम्र 29 वर्ष थी। 1972 में दूसरी बार कॉन्ग्रेस पार्टी से बरही विधानसभा क्षेत्र से विधायक बने, फिर 1980 और 1985 में विधायक बने।
- इम्तियाज हुसैन - इम्तियाज अहमद धनबाद ही नहीं, बल्कि झारखंड में क्रिकेट के बड़े कोच हैं। वे 12 वर्षों तक झारखंड क्रिकेट टीम के मैनेजर रहे। टिस्को से वीआरएस लेकर उन्होंने वर्ष 1999 से बच्चों को कोचिंग देना शुरू किया। उनके शिष्यों में अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट क्रिकेटर शाहबाज नदीम, रणजी खिलाड़ी सीएम झा, सत्य प्रकाश, आमिर हाशमी, राहुल प्रसाद व कुंजन शरण शामिल हैं।
- गुरु सुशांत महापात्र - गुरु सुशांत महापात्र सरायकेला छऊ के मुखौटा कलाकार हैं। उनकी पहचान देश-विदेश में अच्छे छऊ मुखौटा कलाकार के रूप में है। वर्ष 1925 में सुशांत महापात्र के बड़े पिताजी प्रसन्न कुमार महापात्र ने सरायकेला शैली छऊ के लिये पहला आधुनिक मुखौटा तैयार किया था। सुशांत महापात्र ने आठ वर्ष की उम्र में ही अपने बड़े पिताजी (गुरु प्रसन्न महापात्र) से मुखौटा बनाने का गुर सीखा। इसके बाद इस मुखौटा का प्रचलन बढ़ने लगा और अब यही मुखौटा सरायकेला शैली छऊ नृत्य की पहचान बन गयी है।
- मोहम्मद खालिद - पिछले 20 वर्षों से सभी धर्म के अज्ञात लावारिस शवों का अंतिम संस्कार अलग-अलग धार्मिक रीति-रिवाज से करते हैं। कोरोना के समय राँची और हज़ारीबाग में शवों का अंतिम संस्कार बड़े पैमाने पर किया। राँची के रिम्स मुर्दाघर में पड़े लावारिस शवों का वर्ष 2010 से 2016 के बीच अंतिम संस्कार किया। पालतू कुत्तों की मौत के बाद उन्हें दफनाने का काम कर रहे हैं, पिछले 5 वर्षों से शहर में घूमने वाले असहाय एवं विक्षिप्त लोगों के बीच रोटी बाँट रहे हैं। मोटरसाइकिल में दो डब्बा में खाना रखते हैं और बाँटते चलते हैं।
- असुंता टोप्पो - गुमला ज़िले के चैनपुर प्रखंड की असुंता टोप्पो नि:शक्त हैं। आर्थिक तंगी के बीच 1000 रुपए विकलांग पेंशन एवं बड़ी बहन की मदद से असुंता ने पीजी तक की पढ़ाई की। असुंता ने आर्थिक तंगी में भी पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में भारत के लिये स्वर्ण पदक जीता। अभी हाल ही में मलेशिया में भी देश के लिये गोल्ड मेडल जीता है।
- कौशल किशोर जायसवाल - पलामू के डाली गाँव के रहने वाले कौशल किशोर जायसवाल पिछले 56 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण अभियान चला रहे हैं। इस अभियान के तहत वह नि:शुल्क पौधा वितरित करते हैं। अब तक वह 50 लाख से अधिक पौधे बाँट चुके हैं। जायसवाल निजी खर्च पर विश्व का पहला पर्यावरण धर्म ज्ञान मंदिर का निर्माण अपने गाँव में करा रहे हैं। देश-विदेश में अब तक 50 से अधिक अवॉर्ड से सम्मानित हुए हैं।
- आदित्य रंजन - भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2014 बैच के अधिकारी आदित्य रंजन मूलरूप से बोकारो के हैं। कोडरमा में उपायुक्त के रूप में पदस्थापन के दौरान स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया। 'रेल' नाम की एक परियोजना शुरू की। इस कारण आठवीं से लेकर 12वीं तक की परीक्षा में कोडरमा ज़िला हर परीक्षा में राज्य में अव्वल रहा। कोडरमा ज़िले में इनके द्वारा शुरू किये गए 'रेल' मॉडल को राज्य सरकार ने सभी ज़िलों में लागू करने का निर्णय लिया है।
- फादर अजीत खेस - फादर अजीत खेस रोमन कैथोलिक चर्च की सोसाइटी ऑफ जीसस, राँची प्रोविंस के प्रोविंशियल सुपीरियर हैं। इससे पूर्व संत जेवियर्स स्कूल, डोरंडा के प्रिंसिपल थे। सोसाइटी ऑफ जीसस द्वारा राँची में संत जेवियर्स स्कूल, एक्सआरएसएस, एक्सआइपीटी, संत जेवियर्स कॉलेज, संत जॉन स्कूल, प्रभात तारा स्कूल धुर्वा, सहित कई शिक्षण संस्थान चलाए जा रहे हैं।
- डॉ. विकास कुमार - रिम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग में सेवा दे रहे डॉ. विकास कुमार युवा डॉक्टरों के लिये मिसाल हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते और हमेशा गरीब मरीज़ों की सेवा के लिये तत्पर रहते हैं। वहीं, मेडिकल के क्षेत्र में हो रही नई-नई गतिविधियों से भी लोगों को अवगत कराते रहते हैं।
- रिया तिर्की - राँची की रिया तिर्की जुलाई 2022 में फेमिना मिस इंडिया के टॉप फाइनलिस्ट में जगह बनाने वाली देश की पहली आदिवासी मॉडल हैं। प्रतियोगिता में उन्हें फेमिना मिस इंडिया झारखंड 2022 के खिताब से नवाजा गया था। इसके बाद से रिया लगातार आदिवासी बहुल इलाके की युवतियाँ, जो ग्लैमर वर्ल्ड को अपना सपना मानतीं हैं, को प्रशिक्षण दे रही हैं।
- अतुल गेरा - स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में अतुल्य योगदान के लिये अतुल गेरा प्रदेश में एक बड़ा नाम हैं। 'लाइफ सेवर्स' के संस्थापक अतुल रक्तदान शिविर लगाते हैं तथा युवाओं को इससे जोड़ते हैं।

नोट :

- मोनिका मुंडू - प्लेबैक सिंगर और अभिनेत्री मोनिका मुंडू ने देश भर की 12 भाषाओं में गाना गया है। 'एमएस धोनी : द अनटोल्ड स्टोरी' फिल्म में भी इन्होंने काम किया है। 'झारखंड कर छैला' इनकी पहली फिल्म है।
- बिनीता सोरेन - सरायकेला की विनीता सोरेन माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली आदिवासी महिला हैं। इन्होंने थार रेगिस्तान अभियान के तहत गुजरात के भुज से पंजाब के बाघा बॉर्डर तक करीब दो हज़ार किमी. की यात्रा भी की है।
- सुखदेव उरांव - कांके के पार चट्टू निवासी सुखदेव उरांव खेती में नए-गए प्रयोग के लिये जाने जाते हैं।
- सरोजिनी लकड़ा - सिपाही से आईपीएस तक का सफर तय करने वाली सरोजिनी अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र लातेहार के गारू प्रखंड से हैं। जर्मनी से ओलंपिक स्टडी में एमए की डिग्री हासिल की। खेल की बदौलत आउट आफ टर्न प्रमोशन करते हुए वर्ष 1991 में उन्हें इंस्पेक्टर बना दिया गया। वर्ष 2008 में वह डीएसपी बनीं और वर्ष 2023 में आईपीएस बनकर इतिहास रच दिया।
- निशांत कुमार- राँची के बूटी मोड़ में निशांत कुमार ने स्टार्टअप 'किंग फिशरीज' का वर्ष 2018 में शुरुआत की। वर्तमान में एक्वा कल्चर एशिया का पहला सबसे बड़ा कॉमर्शियल एक्वा फार्म बन चुका है। निशांत ने मत्स्यपालन की पाँच पद्धतियाँ विकसित की हैं। इनमें पॉंड कल्चर, आरएफएफ, पेन कल्चर, बायोफ्लॉक, आरएएस और जलाशय पद्धति शामिल हैं।
- रणेंद्र कुमार - साहित्यकार रणेंद्र कुमार डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण अनुसंधान संस्थान के निर्देशक हैं। उन्हें साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगादान के लिये प्रेमचंद स्मृति सम्मान, प्रथम विमला देवी स्मृति सम्मान समेत कई अन्य सम्मान मिल चुके हैं।
- विजय पाठक – इंद्रपुरी, राँची के विजय पाठक ने सामाजिक सरोकार की दिशा में पहल करते हुए रोटी बैंक की स्थापना की है।
- आयुष बथवाल और अनिरुद्ध शर्मा - राँची के आयुष बथवाल और अनिरुद्ध शर्मा ने कोरोना के बाद थर्ड वेव कॉफी नाम से चेन शुरू किया। आज देश भर में 100 से अधिक प्रतिष्ठान खुल चुके हैं।
- आदर्श मानपुरिया - राँची के युवा आदर्श मानपुरिया होटल चैन फैब होटल्स के संस्थापक हैं। फोर्ब्स मैंगजीन ने उनको एशिया में 30 वर्ष से कम आयु के 30 सबसे सफल स्टार्टअप उद्यमियों की सूची में जगह दी थी।
- पदमचंद जैन - अपर बाज़ार के हॉर्डवेयर व्यवसायी 79 वर्षीय पदमचंद जैन गरीबों की अंत्येष्टि का खर्च वहन करते हैं।
- एमेल्डा एक्का - पुलिसकर्मी एमेल्डा एक्का ने 400 मीटर रिले में कई रिकॉर्ड बनाए। 2023 में इन्हें आईपीएस के पद पर पदोन्नत किया गया।

झारखंड के सभी प्रखंडों में लगेगा स्वास्थ्य मेला

चर्चा में क्यों ?

28 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के स्वास्थ्य विभाग द्वारा राज्य के सभी 263 प्रखंडों में स्वास्थ्य मेला लगाया जाएगा। इसका आयोजन 14 से 18 सितंबर तक उस क्षेत्र की सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था, रोग प्रसार को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के राज्य नोडल पदाधिकारी ने बताया कि मेले में खासकर जनजातीय क्षेत्रों के लिये बड़े स्तर पर स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाई जाएंगी।
- यह कार्यक्रम आयुष्मान भारत, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर, प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना कार्यक्रम के तहत किया जाएगा। इसके लिये हर प्रखंड के लिये एक लाख की राशि मंज़ूर की गई है।
- इस दौरान डॉक्टर्स के साथ ही प्रशिक्षित मेडिकल स्टॉफ लोगों का हेल्थ चेकअप कर उनका इलाज करेंगे। मेले में आयुष के तहत आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होमियोपैथी से जुड़े उपचार की सुविधा भी उपलब्ध होगी।
- स्वास्थ्य मेले में सामान्य चिकित्सा, बाल स्वास्थ्य, कंगारू मदर केयर, टीकाकरण, परिवार नियोजन, ईएनटी जाँच, धूम्रपान के सेवन का बुरा प्रभाव, कैंसर नियंत्रण, टीबी, मलेरिया की जाँच व जानकारी दी जाएगी। साथ ही, कई बीमारियों की जाँच व मौखिक स्वास्थ्य जाँच की जाएगी।
- मेले में स्टॉल लगाकर लोगों को आयुष्मान कार्ड सहित डिजिटल स्वास्थ्य आईडी का निर्माण किया जाएगा। इसमें सभी प्रकार की स्वास्थ्य गतिविधियों की जाँच, उपचार और मुफ्त दवा का वितरण शामिल है।

नोट :

- इसमें मातृ-शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अलावा कम्युनिकेबल और नॉन कम्युनिकेबल डीजीजेज़ (बीमारियों) की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर जानकारी दी जाएगी।

उत्कृष्ट मुखिया को सम्मानित करेगा झारखंड राज्य खाद्य आयोग

चर्चा में क्यों?

29 अगस्त, 2023 को झारखंड राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए यह जानकारी दी कि आयोग के स्थापना दिवस (9 दिसंबर) को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के क्रियान्वयन और निगरानी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले मुखिया को सम्मानित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी ने बताया कि राज्य के सभी मुखिया को अपने दायित्वों के प्रति जागरूक और प्रेरित करने के उद्देश्य से ही आयोग ने राज्य के सभी ज़िलों के मुखिया को सम्मानित करने का निर्णय लिया है।
- सभी ज़िलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहने वाले मुखिया को सम्मानित किया जाएगा।

ब्रेन डेथ की घोषणा करने वाला झारखंड का पहला अस्पताल बना रिम्स

चर्चा में क्यों?

29 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार रिम्स (राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान) राज्य का पहला अस्पताल बन गया है, जो ब्रेन डेथ की घोषणा कर सकेगा।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार झारखंड के स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (SOTTO) की ओर से ब्रेन डेथ घोषणा के लिये प्रस्तावित मेडिकल विशेषज्ञों की टीम के गठन का अनुमोदन प्राप्त हो गया है। रिम्स के चिकित्सा अधीक्षक इस बोर्ड के अध्यक्ष होंगे।
- विदित है कि केंद्रीय अधिनियम मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम (THOTA), 1994 की धारा-3 की उपधारा-6 के अंतर्गत मेडिकल बोर्ड की टीम द्वारा ब्रेन डेथ घोषित किये जाने का प्रावधान है।

- ब्रेन डेथ घोषणा के बाद संभावित अंगदाता की पहचान हो पाएगी, जिससे अंगदान के माध्यम से अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा दिया जाएगा।
- ब्रेन डेथ में मरीज़ के मस्तिष्क की मृत्यु हो जाती है, इसके बावजूद भी कृत्रिम तरीके से वेंटीलेटर के ज़रिये उसके हृदय, किडनी, लीवर आदि अंगों को जीवित रखा जा सकता है। हालाँकि, ये अंग भी तभी तक जीवित रह सकते हैं, जब तक व्यक्ति वेंटिलेटर पर रहता है।

झारखंड में साहित्य, संगीत नाट्य और ललित कला एकेडमी का होगा गठन, नियमावली का प्रारूप तैयार

चर्चा में क्यों?

31 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार झारखंड के पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के अंतर्गत झारखंड सांस्कृतिक कार्य निदेशालय ने झारखंड में साहित्य एकेडमी, संगीत नाट्य एकेडमी और ललित कला एकेडमी के गठन के लिये प्रस्ताव सह नियमावली का प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार कर लिया है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार झारखंड अलग राज्य गठन के 22 वर्षों बाद 'झारखंड राज्य साहित्य एकेडमी', 'झारखंड राज्य संगीत नाट्य एकेडमी'और 'झारखंड राज्य ललित कला एकेडमी'का गठन करने का निर्णय लिया गया है।
- इसकी ज़िम्मेदारी पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग को सौंपी गई है। विभाग के अंतर्गत झारखंड सांस्कृतिक कार्य निदेशालय ने तीनों एकेडमी के गठन के लिये प्रस्ताव सह नियमावली का प्रारूप (ड्राफ्ट) तैयार कर लिया है।
- हालाँकि, कैबिनेट से इसकी स्वीकृति लेने से पूर्व राज्य सरकार ने एकेडमी के गठन प्रस्ताव में प्रबुद्ध कलाकारों, साहित्यकारों, संस्कृतिकर्मियों, रंगकर्मियों आदि से सुझाव, विचार आदि मांगे हैं, ताकि इसके गठन में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं रह जाए। इसके लिये सांस्कृतिक कार्य निदेशालय ने 11 सितंबर, 2023 तक का समय निर्धारित किया है।
- संतोषजनक सुझाव/विचार आने पर इसे प्रस्ताव/नियमावली में शामिल किया जाएगा व इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। सुझाव या विचार देने वाले व्यक्ति निदेशालय की वेबसाइट (www.jharkhandculture.com) से तैयार प्रस्ताव सह प्रारूप नियमावली डाउनलोड करते हुए अपना सुझाव या विचार हाथों-हाथ/निबंधित डाक/ कुरियर से एमडीआइ भवन धुर्वा स्थित निदेशालय कार्यालय में जमा कर सकते हैं या फिर निदेशालय के ई-मेल (dirjharkhandculture@gmail.com) पर भी भेज सकते हैं।
- विदित है कि अलग राज्य गठन के बाद से ही झारखंड में साहित्य सहित संगीत नाटक तथा ललित कला एकेडमी के गठन की मांग विभिन्न संगठनों के माध्यम से होती रही है। साहित्य एकेडमी के गठन के लिये स्थापना संघर्ष (तदर्थ) समिति का गठन किया गया है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष शिरोमणि महतो सहित विधायक विनोद सिंह, कलाकार बासु बिहारी ने भी मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिलकर तीनों एकेडमी के गठन की मांग की थी। मुख्यमंत्री सोरेन ने सदस्यों को आश्वासन दिया था कि शीघ्र ही इस दिशा में कार्रवाई होगी।